Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) _____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

D-7409

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
WOMEN'S STUDIES

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

WOMEN'S STUDIES

महिला अध्ययन

Paper-III

प्रश्नपत्र-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

Section – I
खण्ड – I

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Feminism as an ideology, both preaching and practising women's liberation and equality, added with attributes like justice, indiscrimination, development and empowerment of women, has closer affinity to the discipline of women's studies. Feminists, on the one hand, reject the negative cultural images of women, assignment of socially established roles and statuses between male and female, supremacy of masculine qualities over feminine qualities, demanding an evaluation between male and female on its own merits and on the other hand, feminism attempts to replace ignorance and fantasy with knowledge and reality. This ideology advocates persistent and collective efforts of women to bring about betterment for themselves. Thus collective efforts and shared goals are the core of feminism, that can be obtained from the collective consciousness raised through women's studies and knowledge gained out of it. Thus theoretical knowledge of women's studies provides a base for feminist activities in a society. Feminism is defined as a commitment towards eradicating the ideology of male domination on various levels namely sex, race and class that permeates western culture. It is also a commitment towards reorganising of American society, so that the self development of people can take precedence over imperialism, economic expansion and material desires. Feminism is thus defined as a desire and struggle for freedom with different methods. It is a theory that calls for women's attainment of social, economic, political rights and opportunities that are possessed by men. Accordingly, it is a model for a social state that still remains ideal, and a desired standard of perfection which is not yet attained in this world. Feminism is viewed as a powerful homeopathic remedy that goes beyond the symptoms towards the deeper causes of women's troubles. The troubles of women are those problems, caused by the imbalance between masculine and feminine energies that are manifest in the ills of patriarchy. Feminism is thus composed of a set of believes and theoretical conception about the nature of women's oppression and its role within social reality.

नारीवाद आदर्श के रूप में नारी की स्वतन्त्रता तथा समानता के उपदेश तथा व्यवहार को यदि ऐसे गुणों से जोड़ा जाय जैसे न्याय, विभेदीकरण, विकास तथा नारी की सत्ता, तो इनका महिला अध्ययन के अनुशासन से घनिष्ठ रूप से सम्बंध है । नारिवादियों ने एक ओर, महिला तथा पुरुषों में, समाज द्वारा निर्धारित भूमिकाओं तथा प्रतिष्ठा के महिलाओं के लिए निश्चित अभावात्मक सामाजिक धारणाओं तथा पुरुष गुणों से ऊपर नारी गुणों की सर्वश्रेष्ठता, पुरुष तथा महिलाओं के अपने ही हितों के मूल्यांकन की माँग का खंडन किया है, दूसरी ओर नारीवाद ज्ञान तथा यथार्थ का अनभिज्ञता तथा भ्रान्ति के स्थान पर स्थापित करने का प्रयत्न करती है । यह विचार धारा महिलाओं के अपनी उन्नति के लिए दृढ़ तथा सामूहिक प्रयत्नों की वकालत करता है । अत: सामूहिक प्रयत्न तथा साझे लक्ष्य नारीवाद का सार (बीज) है, जो महिला अध्ययन तथा उसके द्वारा प्राप्त ज्ञान द्वारा सामूहिक चेतनता से प्राप्त की जा सकती है । अत: महिला अध्ययन का सैद्धन्तिक ज्ञान समाज में नारी संबंधी क्रियाकलापों का आधार प्रस्तुत करता है । नारीवाद विभिन्न स्तरों लिंग, जाति, वर्ग जो कि पश्चिमी संस्कृति में व्याप्त पुरुष प्रभुत्व की विचारधारा का उन्मूलन करने की वचनबद्धता के रूप में परिभाषित किया जाता है । यह अमरीकी समाज का पुनर्गठन है कि लोगों को स्वत: विकास साम्राज्यवाद आर्थिक विस्तार भौतिक इच्छाओं का पूर्ववर्ती हो सकता है । अत: नारीवाद को विभिन्न पद्धतियों द्वारा स्वतंत्र होने की इच्छा तथा संघर्ष के रूप में परिभाषित किया जा सकता है । यह ऐसा सिद्धान्त है जो पुरुषों द्वारा प्राप्त सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक अधिकारों तथा अवसरों को महिलाओं को प्राप्त करवाता है । तदनुसार, यह सामाजिक स्थिति का ऐसा मॉडल है जो आदर्श रहेगा तथा उत्कृष्टता के उस मानदण्ड की अपेक्षा करता है जिसको इस जगत में अभी तक प्राप्त नहीं किया गया है । नारीवाद एक ऐसे शक्तिशाली होम्योपैथिक इलाज के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जो नारियों की कठिनाइयों के गंभीर कारणों से परे तक जाता है । नारियों की समस्याएँ वे कठिनाइयाँ हैं जो पुरुष एवं महिला शक्तियों के उस असंतुलन द्वारा होती हैं जो पितृसत्ता की बीमारियों में प्रकट होती है । नारीवाद अत: सामाजिक वास्तविकता में इसकी भूमिका तथा नारी अत्याचार की प्रकृति के बारे में सैद्धांतिक अवधारणा और विश्वासों के समुच्चय की रचना है ।

1. How do feminism and women's studies contribute mutually ?

नारीवाद तथा महिला अध्ययन एक-दूसरे को किस प्रकार योगदान देते हैं ?

2. Explain how feminism deals with women's life.

नारीवाद कैसे नारी के जीवन का विवेचन करता है ?

3. What are the commitments of feminism ?

नारीवाद की क्या-क्या वचनबद्धताएँ हैं ?

4. Explain the possibilities of creating a new social model in the society.

समाज में एक नए सामाजिक मॉडल के सृजन की सम्भावनाओं का विवेचन कीजिए ।

5. What are the ills of patriarchy ?
पितृसत्ता की बीमारियाँ क्या-क्या हैं ?

Section – II
खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. Enumerate the characteristics of Women's Studies.
महिला अध्ययन की विशेषताओं की परिगणना कीजिए ।

7. Highlight the role of National Commission for Women towards women empowerment in India.
भारत में नारी सशक्तिकरण के लिए गठित राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

8. How does Alison Jaggar make an analogy between alienation of women and alienation of workers under socialist feminism ?
एलीसन जागर ने नारी क्रान्ति एवं सामाजिक नारीवाद के अन्तर्गत कामगार क्रान्ति में कैसे सादृश्यता स्थापित की है ?

9. Explain the causes and consequences of female illiteracy.

महिला निरक्षरता के कारणों एवं परिणामों का विवेचन कीजिए ।

10. Discuss the problems of women labour in unorganised sector under globalisation.

वैश्वीकरण में असंगठित क्षेत्र में महिला श्रमिकों की समस्याओं का विवेचन कीजिए ।

11. Define “Appropriate Technology”. Suggest technologies appropriate to women in India.
‘समीचीन तकनीक’ को परिभाषित कीजिए । भारत में महिलाओं के लिए उपयुक्त तकनीकों के संबंध में सुझाव दीजिए ।

12. Give an account on the WHO’s Maternal and Child Health programs in India.
भारत में डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा संचालित माता एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों का ब्योरा दीजिए ।

13. Describe the symbiotic relationship prevailing between women and environment.
महिला तथा पर्यावरण में प्रभावोत्पादक सहजीवी संबंधों का वर्णन कीजिए ।

14. Explain the gender issues involved in single female parenthood.
एकल स्त्री मातृपितृत्व में निहित लिंग मुद्दों का विवेचन कीजिए ।

15. Explain the concept of Women in Development (WID).
विकास में महिलाओं के योगदान की अवधारणा का विवेचन कीजिए ।

16. Discuss how women empowerment is achieved through Self Help Groups.
स्वयंसेवी समूहों द्वारा महिला सशक्तिकरण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है ? विवेचन कीजिए ।

17. Describe the provisions under the Bill on "Prevention of Sexual Harassment at Work Place."
कार्यस्थान पर नारी शोषण की रोकथाम के लिए विधेयक में किए गए प्रावधानों का वर्णन कीजिए ।

18. Make a feministic interpretation about women in advertisements.
विज्ञापनों में नारी की नारी व्याख्या किस प्रकार की गई है ?

19. Discuss the role performance of elected women in Panchayati Raj institutions.

पंचायती-राज संस्थाओं में निर्वाचित महिलाओं की कार्य निष्पादन भूमिका के बारे में बताइए ।

20. Explain how 'Objectivity' is viewed in feminist research.

नारी संबंधी शोधों में 'विषयनिष्ठता' किस प्रकार चित्रित की गई है । विवेचन कीजिए ।

Section – III
खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions of **twelve (12)** marks each. Each question is to be answered in about **200** words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बारह-बारह (12-12)** अंकों के **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 12 = 60 अंक)**

21. Is Women's studies an academic discipline ? Justify your answer.
क्या महिला अध्ययन एक शैक्षिक अनुशासन है ? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए ।

22. Explain the feministic interpretation of production and reproduction.
उत्पादन तथा पुनरुत्पादन की नारी व्याख्या का विवेचन कीजिए ।

23. Suggest measures to promote women entrepreneurship in India.
भारत में महिला उद्यम को प्रोन्नत करने के मानदण्डों के संबंध में सुझाव दीजिए ।

24. Distinguish between "Women and Development (WAD)" and "Gender and Development (GAD)".
महिला तथा विकास (डब्ल्यू.ए.डी.) तथा लिंग तथा विकास (जी.ए.डी.) में भेद कीजिए ।

25. Explain Seneca Falls Convention as the genesis of feminist movement in the world.
संसार में नारी आंदोलन की उत्पत्ति के रूप में सनैका फॉल्स कान्वेंशन (Seneca Falls Convention) का विवेचन कीजिए ।

Section – IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about **one thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics.

(1 × 40 = 40 Marks)

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. Explain various rights of women at national and international levels.
राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के विभिन्न अधिकारों का विवेचन कीजिए ।

OR/अथवा

Critically view on the changing development paradigm among Women in Development (WID), Women and Development (WAD), and Gender and Development (GAD).
विकास में महिलाओं में परिवर्तित विकास प्रतिमान (वीद), महिला तथा विकास (वाद) एवं लिंग तथा विकास (गाद) का आलोचनात्मक चित्र प्रस्तुत कीजिए ।

OR/अथवा

Analyse the role of the Department of Women and Child Development of the Ministry of HRD in promoting women empowerment in India.
भारत में महिला सशक्तीकरण के प्रोत्साहन में मानव संसाधन मंत्रालय के महिला तथा बाल-कल्याण विभाग की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....